

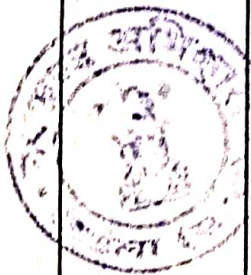
10 <sup>07</sup>/<sub>17</sub>

वकुलाय २५०। अग्रणी सं० ४ को स्वयं को एवं  
उन्हे अधिसापत्र को कई बार आवाज लगाई जा।  
लाभपूर्वक ज्ञानके अग्रणी सं० ४ को खोल ले और  
हाजिर आवाजत नही आया है। अग्रणी सं० ४ के  
विकसित एकपक्षीय कार्यवाही समल में ली जाती है।  
पुनश्च: पत्रावली के अन्वये उन से विहित हुआ  
कि अग्रणी सं० ४ के विकसित कर में ही एकपक्षीय  
कार्यवाही समल में लई जा चुकी है। अग्रणी सं० ४  
को खोल से एकपक्षीय कार्यवाही संभूषी का उचित  
प्र वेला चिपरा गया है जो अग्रणी सं० ४ न  
उन्हे अधिसापत्र को खोल हाथी में जायित किया  
जाता है।

यकीन अग्रणी ने एक अर्थना - प्र वेला  
कर निवेदन किया कि अग्रणी (अग्रणी) की निमित्त  
में अर्थ अर्थ पर कई वर्षों पूर्व से मकान  
बने हुए हैं जिन्की पश्चिमी दीवार में ३०-५० फुटों  
वृत्त जंगले की छुर है। उक्त जंगलो का मत  
अग्रणी (अग्रणी) को चेतना है जो प्रकृत उचित  
पत्र में अग्रणी उक्त जंगलो को खंड करके  
निमित्त कार्य का सम्भार लिये जाने हेतु सहमत  
है। अतः अर्थना - प्र वेला करमादा जाकर स्वयं-  
नादेश को और आगे नही बढ़ाया जावे।

पक्षीय अग्रणी के निवेदन पर पक्षीय  
प्रतिपक्ष ने तर्क दिया कि यदि अग्रणी उक्त  
पक्षीय जंगले खंड करने पर सहमत है तो  
प्रकृत उक्त पत्र में अग्रणी (अग्रणी) को अन्य निमित्त  
कार्य का सम्भार कार्य लिये जाने पर कोई  
आपत्ति नही है।

अतः वकुलाय उक्त पक्षीय प्रकृत  
प्रकृत तर्कों के मध्येनजर स्पष्ट है कि अग्रणी  
के मकानों की पश्चिमी दीवार में बने जंगले  
खंड कर लिये जाने पर अन्य सम्भार का



निम्नलिखित कार्य किये जाने के संबंध में जज-  
कारान के अद्य कोई विवाद नहीं है।

अतः अप्राची के अकानों  
में बने प्राची के हितों की अस्मियों की  
तरफ से उंगले बंद करने एवं प्राची-  
के हितों की अस्मियों की तरफ उंगले  
गही बनाने की शर्त पर स्थगनादेश  
दिनांक 27-06-2016 को जारी किया  
जाता है। पत्रावली क्रमांक 1000  
अम्बर से कम है तथा बाद तकनीक  
हमफिता अलवादपर है। निम्नलिखित  
न्यायालय से सुनाया गया।

उपखण्ड अधिकारी  
खण्डेला (सीकर)